The Minister of Finance (Shri T. T. Krishnamachari): The idea is to give a certain weightage for the purposes of drawing pension. It will be left to the parties to choose either to retire or not to retire on a consideration of the benefits.

श्री यशपाल सिंह : क्या ये लोग रिटायरमेंट के बाद प्राईवेट फर्मों में सर्विस कर सकेंगे ?

Shri T. T. Krishnamachari: I believe that if they are not employees of the top grade, they would probably be permitted.

श्री हुकम चन्द कछवाय : मैं यह जानना चाहता हूं कि जिन लोगों को रिटायर करने के लिए सरकार की तरफ से सहूलियत दी जायेगी उन्हें रिटायर करने के लिए कितना ज्यादा पैसा दिया जायेगा ।

Shri T. T. Krishnamachari: As I said, we have not yet finalised the scheme of retirement benefits in the case of premature retirement, and each case will depend. Supposing a man has put in 21 years of service, and again suppose Government says they will give him a weightage of five years service, his service will be computed as 26 years. I do not know the exact formula, but probably 26/80 of the salary that he draws will be the retirement benefit that he gets.

श्री बड़े : श्री मंत्री महोदय ने कहा है कि मिडल-एजिड लोगों को रिटायर करने के बारे में उन से पूछा गया है । मैं यह जानना चाहता हूं कि उन से कब पूछा गया है और उन की तरफ से क्या जवाब आए हैं और टोटल स्टाफ में से कितने परसेंट लोगों को रिटायर किया जायेगा ?

Shri T. T. Krishnamachari: All this is a little premature. The scheme is under consideration, and when the scheme is formulated, it will be placed before the Government servants for them to choose what they would do.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

घाटे की वित्त व्यवस्था के सम्बन्ध में विश्व बैंक का सुझाव

*595. **श्री डी० ना० तिवारी :** क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि विश्व बैंक ने भारत सरकार को सुझाव दिया है कि आगामी कुछ वर्षों में पिछली पंचवर्षीय योजनाओं के परिणामों को विकसित किया जाये, घाटे की वित्त व्यवस्था न की जाये और बैंक व लोक ऋण पर ब्याज की दर बढ़ाई जाये;

(ख) यदि हां, तो इस का पूरा ब्यौरा क्या है; और

(ग) उस पर सरकार की क्या प्रतिक्रिया है ?

वित्त मंत्रालय में उपमंत्री (श्री रामेश्वर साहू) : (क) जी, नहीं ।

(ख) और (ग). ये सवाल पैदा ही नहीं होते ।

British Investment in India

*599. **Shrimati Tarkeshwari Sinha:** Will the Minister of Finance be pleased to state:

(a) the total British investment in India at present;

(b) the amount of foreign exchange repatriated to Britain every month during the current year so far; and

(c) the prospects of British investment in future in view of the British attitude in regard to the Indo-Pakistan conflict?

The Deputy Minister in the Ministry of Finance (Shri Rameshwar Sahu): (a) Rs. 447·6 crores as at the end of 1961. Information regarding actual U.K. investments in India subsequent